मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 222, मुंबई, शुक्रवार, 22 अक्टूबर, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

आर्यन खान की मुश्किलें बढ़ीं, मन्नत पर पहुंची एनसीबी की टीम

मुंबई। शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की मुश्किलें बढ़ती हुई नजर आ रही हैं। गुरुवार सुबह शाहरुख बेटे आर्यन से मिलने के लिए मुंबई की आर्थर रोड जेल पहुंचे थे। उसके थोड़ी देर बाद नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम उनके घर यानी मन्नत बंगले पर पहुंच गई है। एनसीबी अब यहां भी सर्च आपरेशन के करेगी। वह अब आर्यन ड्रग्स मामले में घर से भी कुछ सबूत जुटाने की कोशिश करेगी। एनसीबी के कई अधिकारी मन्नत बंगले पर पहुंचे है। जानकारी के मुताबिक मन्नत से अब एनसीबी के अधिकारी बाहर निकल गए हैं। एनसीबी अधिकारी का कहना है कि हमारी जांच चल रही है,जांच में सवालों के जवाब के लिए विटनेस और सस्पेक्ट दोनों को बुलाया जाता है। मन्नत में किसी को भी पूछताछ के लिए कोई नोटिस नहीं दी गयी है। यह इन्वेस्टिगेशन का पार्ट है।

गैरकानूनी अवैध निमार्णों पर चलेगा बुलडोजर, ठाकरे

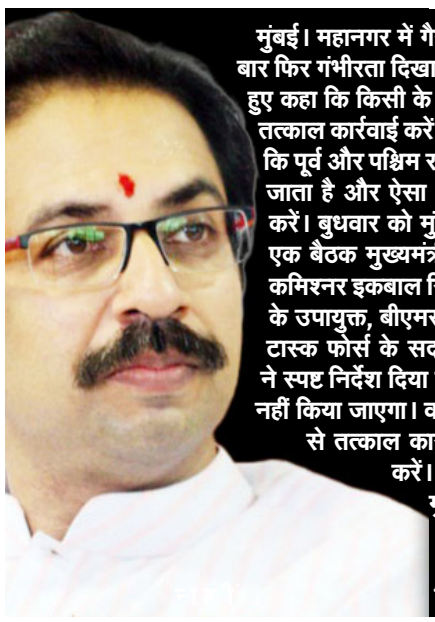

मुंबई। महानगर में गैरकानूनी निर्माण को लेकर सरकार ने एक बार फिर गंभीरता दिखाई है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने आदेश देते हुए कहा कि किसी के दबाव में आए बिना गैरकानूनी निर्माण पर तत्काल कार्रवाई करें। शहर की सफाई पर ध्यान दें। देखा गया है कि पूर्व और पश्चिम राजमार्गों पर भी बड़ी संख्या में मलबा डाला जाता है और ऐसा करने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करें। बुधवार को मुंबई महानगर के विकास कार्य से संबंधित एक बैठक मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने ली। बैठक में बीएमसी कमिश्नर इकबाल सिंह चहल, वॉर्ड के सहायक आयुक्त, विभाग के उपायुक्त, बीएमसी अस्पतालों के प्रमुख के अलावा कोविड टास्क फोर्स के सदस्य भी उपस्थित थे। बैठक में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि मुंबई में अनधिकृत निर्माण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वॉर्ड अधिकारी सोच-समझकर और सख्ती से तत्काल कार्रवाई करें। किसी के दबाव को बर्दाश्त न करें। हम तुम्हारे साथ हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मुंबई में सड़क मरम्मत की निविदा प्रक्रिया व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से की जाए और किसी को भी उंगली उठाने का मौका दिया जाए। (शेष पृष्ठ 3 पर)

पायलट का भाजपा पर हमला गहलोत का नाम नहीं लिया बोले उपचुनाव में हार के डर से स्तरहीन भाषा बोल रहे भाजपाई बघेल और राठौड़ माफी मांगे

जयपुर। पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने केंद्रीय मंत्री एसपी बघेल और उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ के बयानों को लेकर बीजेपी पर जुबानी हमला बोला है। एसपी बघेल ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ अभद्र बयानबाजी की थी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

NCB चीफ बोले- नवाब मलिक झूठे हैं मैं कभी दुबई नहीं गया मंत्री ने लगाया था वसूली का आरोप

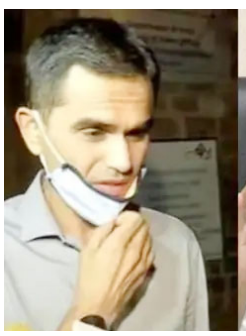

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मुंबई में बस और ट्रेन से ड्रग्स की तस्करी

मुंबई। एंटी नार्कोटिक्स सेल (एएनसी) की घाटकोपर यूनिट ने राजस्थान से बस और ट्रेन के जरिए ड्रग्स की तस्करी करने वाली महिला को गिरफ्तार किया है। महिला के पास से पुलिस ने 21 करोड़ 16 लाख रुपए की ड्रग्स जब्त किया है। प्रारंभिक पूछताछ के बाद महिला को अदालत में पेश किया गया जहां से उसे 25 अक्टूबर तक पुलिस कस्टडी में भेज गया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

बढ़ती कीमतों के मायने

लोगों का ध्यान वे चीजें खींच रही हैं, जिनकी कीमतों में आए दिन इजाफा हो रहा है। इन दिनों विशेष रूप से टमाटर पर ज्यादा फोकस है, क्योंकि उसकी कीमत कुछ जगहों पर 100 रुपये के करीब पहुंच गई है। त्योहार के मौसम में फल थोड़े सस्ते हैं, जबकि सब्जियों के दाम आसमान चढ़ रहे हैं। आम तौर पर इस मौसम में एक लोकप्रिय सब्जी फूलगोभी के भाव घट जाते थे, लेकिन अभी भी 80 रुपये के आसपास हैं और कई जगह 100 रुपये किलो भी। गरीब की थाली में सब्जियों की मात्रा घट गई है। प्याज के भाव भी चढ़े हुए हैं। कुल मिलाकर, सब्जी बाजार में तनाव है और विक्रेता भी दबाव महसूस कर रहे हैं, क्योंकि अंततः उन्हें भी अपने उपभोग के लिए सब्जियों की खरीदारी करनी पड़ती है। नवरात्र के दौरान ही टमाटर महंगा होने लगा था, लेकिन नवरात्र के खत्म होने के बाद भी निरंतर महंगा हो रहा है। जब कई जगह थोक बाजार में ही टमाटर 60-70 रुपये किलो बिक रहा हो, तब खुदरा बाजार में क्या स्थिति होगी, अनुमान लगाया जा सकता है।

सब्जियों पर एक तो मौसम की मार है। देश के अनेक इलाकों में बाद तक बारिश होती रही है, इससे भी फसल पर असर पड़ा है। सब्जी बोने वाले किसान बारिश रुकने का इंतजार कर रहे थे। अनुमान है कि दो महीने के अंदर ही टमाटर और सब्जियों के भाव में गिरावट आएगी। मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक जैसे राज्यों से भी फसल आने वाली है। भारत में टमाटर की खपत भी ज्यादा है और उत्पादन भी। नेशनल हॉर्टिकल्चरल रिसर्च ऐंड डेवलपमेंट फाउंडेशन के मुताबिक, चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा टमाटर उत्पादक भारत ही है। भारत 7.89 लाख हेक्टेयर क्षेत्र से लगभग 25.05 टन प्रति हेक्टेयर की औसत उपज के साथ लगभग 19.75 मिलियन टन टमाटर का उत्पादन करता है। हमें गौर करना चाहिए कि क्या टमाटर का उपयोग प्रसंस्करण के लिए बढ़ा है? क्या हमारे पास घरेलू खपत के अलावा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को आपूर्ति के लिए पर्याप्त उत्पादन है? क्या हमने सब्जियों का उत्पादन बढ़ती मांग और समय के अनुरूप बढ़ाने के पर्याप्त उपाय किए हैं? क्या किसानों का सब्जियों के उत्पादन के प्रति लगाव बढ़ा है? यह विषय बहुत गंभीर है, क्योंकि इस क्षेत्र पर अगर हम गौर नहीं करेंगे, तो सब्जियों कीमतों को काबू में रखने में कामयाब नहीं होंगे।

ऐसा लगता है कि महंगाई के प्रति हमारी राजनीतिक पार्टियों में उदासीनता आ गई है। तभी तो पेट्रोल 100 रुपये के पार भी बढ़ता चला जा रहा है। पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमत के साथ-साथ परिवहन भी महंगा हो रहा है, जिसका असर लगभग सभी उत्पादों की कीमत पर पड़ रहा है। सब्जियों के साथ-साथ रसोई गैस के बढ़ते दाम ने भी तनाव बढ़ाने का क्रम जारी रखा है। पेट्रोल-डीजल से आखिर हमारी सरकारों को कितना धन अर्जित करना है? इस महंगाई की कोई तो सीमा तय हो। बेशक, देश को धन की जरूरत है, लेकिन सारा बोझ पेट्रोल व डीजल पर ही क्यों पड़ना चाहिए? हमें टमाटर और सब्जियों की बढ़ती कीमतों के पीछे के इस सच को भी जानना चाहिए कि वास्तव में सब्जियां उगाने वाले किसानों की जेब तक कितना धन पहुंच रहा होगा? क्या सब्जियां उगाने वाले किसान खुश हैं? आज हमें स्वीकार करना चाहिए, तार्किक या वाजिब महंगाई कम चुभती है।

भारत बनाम इंडिया का विभाजन

अचानक अगर कामगारों को बाहर या घर में मारने का सिलसिला चलने लगे, तो डर का माहौल बनना लाजिमी है। यह डर पलायन की वजह भी बनता है...

हाल में प्रकाशित वैश्विक भूख सूचकांक रिपोर्ट में शामिल 116 देशों की सूची में भारत का स्थान 101वां है। भारत के विभाजित राजनीतिक वातावरण में इस मुद्दे को राजनीतिक फुटबॉल बना दिया गया है और इसको जल्दी ही भुला दिया जायेगा। आधिकारिक प्रचार तंत्र किसी अन्य मसले को सामने लाकर इसे दबा देगा, तो विपक्ष अपने पाले में कुछ अंक हासिल करना चाहेगा।

ये दोनों रवैये देश में गरीबों, खास कर बच्चों के साथ अन्याय हैं, जहां स्वीकार्य तौर पर और आधिकारिक गणना के अनुसार, कुपोषण 50 प्रतिशत बच्चों की मौत में योगदान देनेवाला एक कारक है। ये जटिल और परस्पर संबद्ध मसले हैं, जिनका समाधान जल्दी नहीं किया जा सकता है, पर ये बहुत शीघ्र अधिक गंभीर हो सकते हैं। ऐसे में इस रिपोर्ट पर विचार करना जरूरी है। यह रिपोर्ट देश के भीतर के बहुत पहले से चले आ रहे 'भारत बनाम इंडिया' के विभाजन को भी रेखांकित करती है। यह विभाजन ग्रामीण और शहरी भारत के बीच है या किसानों और अच्छी नौकरी करनेवालों के बीच है।

अतीत में इस विभाजन को लेकर दबाव रहता था और इसकी सुनवाई भी होती थी। धीमी गति से ही सही, इसने नीति और राजनीति में बदलाव भी किया था और इस क्रम में कभी-कभी सत्ता और विशेषाधिकार पर दावे रखनेवाले बेचैन भी हो जाते थे। लेकिन विरोध का अपना वजन होता था और इसके पास राजनीतिक पूंजी होती थी तथा उसकी मांग को वैधता प्राप्त थी। श्रमिक संगठनों की अपनी आवाज होती थी। किसान एकजुट होकर सरकार को सुनवाई के लिए बाध्य कर सकते थे।

अब स्थिति बदल चुकी है और दोनों तरह के भारत के बीच खाई चौड़ी हो चुकी है। किसान लंबे अरसे से बड़ा आंदोलन चला रहे हैं, लेकिन उनके जीवन और कामकाज को बदल देनेवाले अहस्तक्षेपकारी कानूनों के विरुद्ध उठी उनकी आवाज को नकार दिया गया है। भारत इस रवैये से कमजोर ही हुआ है। इसी तरह, देश में शिशु मृत्यु दर भी अनसुनी आवाज बन कर रह गयी है। ये बच्चे और उनके माता-पिता अपने बुनियादी अधिकारों की मांग करने भी असमर्थ हैं। यह सच है कि यह नयी समस्या नहीं है, लेकिन, आधे मन से ही सही, पहले ऐसी चिंताओं के समाधान के प्रयास किये गये थे। पर, अब हमने अपना मुंह दूसरी ओर मोड़ लिया है।

इस प्रकार बीते कल के विभाजन आज बढ़ गये हैं। इसकी झलक हमें कई रूपों में दिखती है। पिछले साल आप्रवासी कामगारों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया था और उनके साथ उचित व्यवहार नहीं हुआ था। वहीं बाद में उद्योग जगत ने उन्हें बलपूर्वक वापस लाने तथा उनके श्रम अधिकारों में कटौती करने की मांग करनी शुरू कर दी। महामारी की दूसरी लहर में एक ओर सामान्य नागरिक ऑक्सीजन के लिए भटक रहे थे, तो दूसरी ओर अस्पताल उस संकट से भारी कमाई कर रहे थे।

एक तरफ नयी राजधानी बन रही है, तो दूसरी तरफ आम लोगों के इंफ्रास्ट्रक्चर बेहद खराब हालत में हैं। होटलों और हवाई अड्डों पर भीड़ है, तो युवाओं के रोजगार के मसले पर कोई चर्चा नहीं हो रही है। हर दिन देश में सौ से अधिक लोग सर्पदंश से मर जाते हैं, तो कुछ अच्छे अस्पतालों में बेहतरीन स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध है। विचाराधीन कैदी जेलों में पड़े रहते हैं, पर मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त गायब हो जाते हैं। ऐसे कई उदाहरण हैं। इस क्रम में भूख सूचकांक एक और संकेतक है कि कैसे भारत पीछे छूटता जा रहा है।

ऐसा लगता है कि हमारी सरकार एक निश्चितता के भाव के साथ काम कर रही है, जिसकी प्राथमिकताओं में आज की आवश्यकताएं नहीं हैं। बल्कि, उसके अपने वैचारिक आवरण में यह भरोसा बहाल किया जा रहा है कि भारत का समय आ गया है कि कारोबारी इसकी अगुवाई करेंगे तो व्यापक समृद्धि होगी और सरकार निजी क्षेत्र को आगे कर खुद पीछे हो जायेगी।

इसका खूब प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है और किसी भी असंतोष को हाशिये पर डालने की कोशिश की जा रही है। इससे भारतीय परंपराओं की उत्कृष्ट विरासत को नुकसान होता है। ऐसे रवैये से वांछितों और निर्धनों में क्रोध और नफरत बढ़ते जा रहे हैं। यह सतत विकास की ओर अग्रसर भारत की तस्वीर नहीं है।

संकीर्ण वैचारिक समझ के आधार पर समाजवाद, गांधी और नेहरू आदि को गलत या कमतर बता कर निजी क्षेत्र और उसकी संभावनाओं का गुणगान हो रहा है। इस समझ में इतिहास को लेकर वितृष्णा का भाव है, इसमें संदर्भ का अभाव है और यह अज्ञान व खराब सोच से प्रेरित है। इससे सीमाओं का अतिक्रमण होता है तथा लापरवाही और कुटिलता की बढ़ोतरी होती है, जो राष्ट्रीय मुद्दे और उच्च राष्ट्रीय आकांक्षा का मिथ्या आभास दिलाती है।

ऐसी मान्यताओं से हर बात को सही ठहराया जाता है और उसे आगे बढ़ाया जाता है। किसी भी प्रकार की आलोचना पर तीखी प्रतिक्रिया होती है। अंततः भारत जैसे व्यापक और बहुविध लोकतंत्र में संतुलन और बुद्धिमत्ता से ही शासन किया जा सकता है। वैधतापूर्ण दावों और मांगों को अनसुना करना प्रगति की निशानी नहीं कही जा सकती है। हमें समझना होगा कि कहीं हम गिरावट की ओर तो उन्मुख नहीं हैं। इसका एक और स्वतंत्र संकेतक भूख सूचकांक है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस. खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, **फोन:9619102478 /9821238815** email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस. खान**,
समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुंबई, शुक्रवार
22 अक्टूबर, 2021

कौसा शिमला पार्क गार्डन और तालाब की खसता हालत

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। बड़े अफसोस की बात है कि मुंब्रा शहर की जनसंख्या को मद्देनजर रखते हुवे बच्चों के खेलने के लिए गार्डन नाम की जैसी सुविधाएं तक नहीं है दारुल फलाह मैं एक गार्डन था। वह भी रस्ता रुंदी करण के मामले में मनपा प्रशासन द्वारा ध्वस्त कर दिया गया और घासवाला कंपाउंड स्थिति में एक गार्डन जो हाल ही में सत्ताधारी पार्टी द्वारा कोरोना काल के समय में उद्घाटन किया गया। वह भी जमीनी विवादों की चपेट में आ गया है मनपा आयुक्त बिपिन शर्मा ने नगर विकास विभाग को इसकी जांच के आदेश दे दिए हैं। मात्र एक ही गार्डन जोकि कौसा शिमला पार्क मैं मनपा प्रशासन द्वारा बनाया गया था और पास में तालाब भी मौजूद है। इस तालाब मैं बोटिंग की व्यवस्था भी की गई थी ताकि बच्चे अपने परिवार के साथ खुशी से अपना वक्त बिता सके इस गार्डन में बच्चों के खेलने के लिए जो

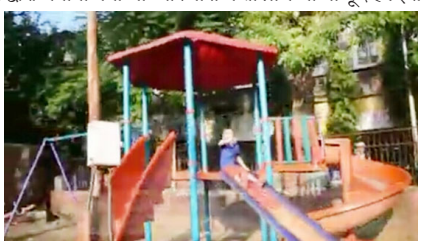

मनपा प्रशासन द्वारा दिए गए झूले पीसल गुंडी जंपिंग जैक अप एंड डाउन इस तरह के कई सुविधाएं मानपा प्रशासन द्वारा बच्चों को खेलने के लिए दी गई थी। परंतु आज उसकी हालत यह बताई जा रही है पीसल गुंडी टूटी पड़ी हुई है झूले बंद पड़े हैं अप एंड डाउन चलता नहीं है। तालाब बुरी तरह से गंदा पड़ा हुआ है आसपास की सभी इमारतों का कूड़ा कचरा इस तालाब मैं फेका जाता है जिसकी सफाई मानपा प्रशासन द्वारा या ठेकेदारों द्वारा की नहीं जाती इसका परिणाम स्वरुप यह होता है की तालाब की रोज दोसो तीनसो मछलियां मर जाती हैं और उसकी दुर्गंध पास के गार्डन में आती है जहां बच्चे खेलने आते हैं। गौरतलब बात यह है शिमला पार्क गार्डन और तालाब जोकि मानपा प्रशासन द्वारा अगर ठेकेदारों को दिया है तो इसके रखरखाव में वह ध्यान क्यों नहीं देते इसका क्या कारण है। यह समझ से परे है झूले बंद पड़े हैं पीसल गुंडी टूटी पड़ी है अप एंड डाउन चलता नहीं है अगर कोई बच्चा खेलते समय घायल हो जाए तो उसका जिम्मेदार कौन होगा तालाब में रोज मर रही मछलियां की दुर्गंध से अगर कोई बीमारी फैलती है तो उसका जिम्मेदार किसको ठहराया जाएगा। मानपा प्रशासन की अधिकारियों को गार्डन और तालाब का गंभीरता से संज्ञान लेना चाहिए और इसको मन लुभावक किस तरह बनाएं जाए इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और तालाब के आसपास की इमारतें मैं रह रहे। लोगों को कूड़ा कचरा डालने के लिए किस तरह से रोका जाए इस पर विचार करना चाहिए।

कश्मीर पर सरकारी हमले के खिलाफ भारतीय नागरिक की खामोशी चिंताजनक: नजरे आलम

370 हो या 53अ किसी के हटाने से कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा कश्मीरी नागरिकों पर, सरकार आम नागरिकों पर आर्मी का दबाव देना बंद करेः बेदारी कारवां

संवाददाता/सालिम आजाद

मधुबनी। पिछले दिनों कश्मीर दौरे से वापसी पर आल इंडिया मुस्लिम बेदारी कारवां के राष्ट्रीय अध्यक्ष नजरे आलम ने मीडिया को बताते हुए कहा कि दो सालों से जिस तरह से केंद्र सरकार जम्मू कश्मीर के नागरिकों की जिंदगी से खेल रही है उसने पूरी इंसानियत को शमिंर्दा कर रखा है। सरकार ने दावा किया कि धारा 370 और 53A के हटने से वहाँ के लोगों की जिंदगी बेहतर होगी, वहाँ के लोग पहले से ज्यादा खुशहाल हो जाएंगे। कश्मीर आजाद भारत का हिस्सा हो जाएगा जबकि ऐसा कुछ भी नहीं हो सका। आम नागरिकों का कहना है कि 7-8 लाख आर्मी को कश्मीर में तैनात कर रखा गया है इसके बावजूद बेकसूर लोगों की हत्या रुकने का नाम नहीं ले रहा। लाल चौक पर गाहे बगाहे सरकार खुद साजिश रच कर हमला करवाती है, बेकसूरों को मारवाती है और मीडिया के द्वारा ये खबर फैलाई जाती है कि आतंकवादी हमले कर रहे हैं। नजरे आलम ने आगे बताया कि पिछले दिनों जब मैं कश्मीर में था तो राहुल गांधी जी भी कश्मीर पहुचें थे उस दौरान भी लाल चौक पर बेकसूरों की ब्लास्ट में हत्या करवा दी गई थी ताकि ये बताया जाए कि कश्मीर के हालात ठीक नहीं है सरकार कश्मीर के हालात को बेहतर बनाने के लिए लगातार कोशिश कर रही है। सारा फर्जी मामला बनाकर केंद्र सरकार भारतीय नागरिकों के बीच कश्मीरी नागरिकों की छावी धूमिल करने में लगी है। ना ही वहाँ रह रहे किसी पंडित को खतरा है और ना ही आम नागरिकों को। केंद्र सरकार जगह जगह कश्मीर के मासूम लोगों पर सरकारी दबाव बनाकर जबरन मुखबिरी का काम भी करवा रही है, इंकार करने पर जेल या मौत कश्मीरी लोगों का मुकद्दर बना हुआ है। वहाँ के स्थानीय लोगों का ये भी कहना है कि शुरूआती दौर में कश्मीर के ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ आर्मी के नौजवानों ने घरों में घुस कर कई महिलाओं की इज्जत तक से खिलवाड़ किया है। सैकड़ों कश्मीरी नौजवानों को फर्जी तरीके से गिरफ्तार किया गया जिसको किस जेल में रखा गया या मार कर फेंक दिया गया कोई अता पता नहीं है। सरकार या सरकार का IT Cell जो भी मीडिया में कश्मीर के बारे में दिखाता है या बताता है वो बिल्कुल झूठा होता है। मीडिया में दिखाया जाने वाला सारा मामला केंद्र सरकार द्वारा Planned किया होता है। वहाँ माहौल बहुत बेहतर है। वहाँ के आम नागरिक भी अमन शांति के साथ जी रहे हैं। वहाँ के स्थानीय लोगों का साफ कहना है हम केंद्र सरकार के 370 या 53A के हटाने को नहीं मानते। जिस तरह से सरकार कश्मीर के नागरिकों के साथ जुल्म कर रही है उससे अब कश्मीर के लोग आजिज आ चुके हैं। लोगों के दिलों से सरकार और आर्मी वालों का खौफ निकल चुका है, लोग अब हर तरह के हालात से निपटने की बातें करते नजर आ रहे हैं। 2 सालों में केंद्र सरकार ने कश्मीरियों की जिंदगी नर्क बनाकर रख दिया है। लगातार आर्मी की घेराबंदी से भी लोग परेशान हैं, अपने ही घर और राज्य में लोग सुकून की जिंदगी नहीं जी पा रहे हैं। टीवी चैनल पर दिखाई देने वाली खबरें बनाई जाती हैं या तो बेकसूरों की हत्या कराकर या आतंकी हमला बनाकर। पुलवामा हमला भी सरकार का Planned था। सीधा

सीधा केंद्र सरकार और मोदी शाह खून की होली खेल कर कश्मीरियों पर जुल्म ढ़ा रहे हैं। कश्मीरियों की आह बर्बाद नहीं जाएगी। वहाँ के लोगों का जिस तरह से सुकून छीना गया है कारोबार बर्बाद हो चुका है, रोजगार खत्म हो चुका है, टूरिस्टों का आना जाना कम हो गया है। लोग बेबस बने बैठे हैं। अब आम नागरिक सरकार से सीधे मुकाबले को तैयार है कि हमें 2 साल पहले वाला कश्मीर लौटा दे। 2 सालों में टूरिस्ट प्लेस की सफाई नहीं होने की वजह कर जन्नत दिखने वाला कश्मीर जहन्नुम बनकर रह गया है। केंद्र की सरकार सिर्फ देश की जनता को अपने वोट और कुर्सी के लिए बेवकूफ बना रही है। आर्मी की वहाँ इतनी ज्यादा तादाद में कोई जरूरत नहीं है। कश्मीर के लोगों पर सरकार के द्वारा ढाए जा रहे जुल्म पर आम नागरिकों की खामोशी चिंताजनक है। कश्मीर भारत का अंग है यहां के नागरिकों पर सरकारी और आतंकी हमले को रोकना भी हम भारत के नागरिकों की जिम्मेदारी है। अगर समय रहते हमने खामोशी नहीं तोड़ी तो याद रखिए जो जुल्म आज कश्मीरी नागरिक झेल रहे हैं हमें भी झेलनी पड़ सकती है।

(पृष्ठ 1 का शेष भाग)

गैरकानूनी अवैध निमार्णों पर...

शहर के गड्ढों को लेकर बीएमसी में शिवसेना की काफी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। इस पर मुख्यमंत्री ठाकरे ने कहा कि सड़क के गड्ढों को भरने को पहली प्राथमिकता दें। उन्होंने आगे कहा कि शहर की सड़क, डिवाइडर, फुटपाथ, उद्यान सुंदर और सुव्यवस्थित हैं या नहीं, इस पर पूरा ध्यान दें। शहर से कचरा उठाने और मलबा हटाने पर ध्यान देना चाहिए। शहर को सुंदर बनाने की योजना पर ध्यान दिया जाए। कोविड काल के दौरान बीएमसी कर्मियों के काम की तारीफ करते हुए मुख्यमंत्री ठाकरे ने कहा कि मुंबई मॉडल की चारों ओर सराहना की गई और यह टीम वर्क के कारण हो सका। बिना थके, बिना रुके आप लोगों ने बहुत शानदार काम किया है। आने वाले दिनों में त्योहार है, दिवाली सामने है, लेकिन ध्यान रखे कि अभी कोविड का खतरा टला नहीं है। ब्रिटेन में एक बार फिर कोविड का संक्रमण बढ़ रहा है। वहां के अस्पताल मरीजों से भर गए हैं। मैंने वहां के कुछ डॉक्टरों से भी बात की है और आपको भी सावधान रहना होगा। मुख्यमंत्री ठाकरे ने कहा कि मॉनसूनी बीमारी मलेरिया, डेंगी और चिकनगुनिया के मरीज तेजी से बढ़े हैं। हमें इन बीमारियों को रोकने के लिए बहुत सावधान रहना चाहिए। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में सभी प्रकार की जन जागरूकता पैदा करने और मच्छरों को प्रभावी ढंग से खत्म करने और कोई अस्वच्छ स्थिति नहीं रहने के निर्देश दिए।

NCB चीफ बोले- नवाब मलिक झूठे हैं मैं कभी दुबई...

मुंबई। ठाकरे सरकार में कैबिनेट मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के प्रवक्ता नवाब मलिक ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) पर एक और बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने NCB द्वारा मालदीव और दुबई में फिल्म इंडस्ट्री की हस्तियों से वसूली किए जाने की बात कही है। मलिक के आरोप पर NCB के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े ने दैनिक भास्कर से एक्सक्लूसिव बात करते हुए कहा कि नवाब मालिक झूठे हैं और वे इस मामले में उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे। NCP प्रवक्ता नवाब मलिक ने गुरुवार को एक वीडियो जारी कर कहा कि कोरोना काल में फिल्म इंडस्ट्री की कई हस्तियां मालदीव और दुबई में थीं। उस वक्त NCB के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े के परिवार के लोग भी इन जगहों पर गए थे। वानखेड़े की बहन जसमीन वानखेड़े की सोशल मीडिया की एक फोटो भी मलिक ने अपने आरोप को पुख्ता करने के लिए जारी की है। मलिक ने वानखेड़े से पूछा है कि आखिर उनके परिवार के लोग मालदीव और दुबई में क्या कर रहे थे और वे खुद भी इस दौरान वहां थे या नहीं? इसका जवाब उन्हें जनता को देना चाहिए। वानखेड़े ने मलिक को चेतावनी देते हुए कहा कि कैबिनेट मंत्री होते हुए नवाब मलिक सरासर झूठ बोल रहे हैं। मैं जिंदगी में कभी भी दुबई नहीं गया। मलिक अब यह कार्टून नेटवर्क चलाना बंद करें। मैं उनको जल्द ही लीगल नोटिस भेजने वाला हूं। वानखेड़े ने कहा कि मैं नारकोटिक्स संबंधित कार्रवाई में ज्यादा व्यस्त हूं। लिहाजा मेरे पास बेबुनियाद व झूठे आरोपों का जवाब देने का वक्त नहीं है। मलिक मंत्री होने के बावजूद एक नंबर के झूठे हैं, क्योंकि वह मेरे खिलाफ लगातार आधारहीन आरोप लगा रहे हैं। मालदीव जाने के सवाल पर वानखेड़े ने कहा कि वे मालदीव सरकार से अनुमति लेकर और अपने खर्च से परिवार के साथ गए थे। उन्होंने इसके साथ ही यह भी कहा कि जब से NCB ने ड्रग्स रैकेट का भंडाफोड़ करना शुरू किया है, तब से कुछ लोग बौखला कर NCB को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। राकांपा प्रवक्ता नवाब मलिक लगातार NCB के खिलाफ विशेष कर जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े के खिलाफ आरोप लगा रहे हैं। पहले मलिक ने क्रूड ड्रग्स पार्टी मामले में आर्यन खान को फर्जी ढंग से गिरफ्तार किए जाने का आरोप लगाते हुए इस केस के गवाह किरण गोसावी को वांटेड और मनीष भानुशाली के भाजपा कार्यकर्ता होने का खुलासा किया था।

मुंबई में बस और ट्रेन ...

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार महिला अमीना हमजा शेख उर्फ लाली के बारे में घाटकोपर एएनसी यूनिट की पुलिस निरीक्षक लता सुतार को गोपनीय सूचना मिली थी कि राजस्थान के प्रतापगढ़ एवं चित्तौड़गढ़ से बड़े पैमाने पर रेल और बस द्वारा मुंबई में नशीले पदार्थों की तस्करी कर रही है। जिसके बाद पुलिस ने जाल बिछा कर महिला को कोलीवाड़ा स्थित वडाला टर्मिनल के पास से उसे हिरासत में ले लिया गया। लाली मानखुर्द के लल्लूभाई कंपाउंड में रहती है। उसके पास से 7 किलो 200 ग्राम एमडी ड्रग्स मिला, जिसकी कीमत बाजार में 21 करोड़ 60 लाख बताई जा रही है। यह ड्रग्स राजस्थान के देवलाई, नौगामा से लाई गई थी। पूछताछ में लाली ने दो बड़े हेरोइन तस्करों के नाम उजागर किए हैं। जल्द ही पुलिस उन तक पहुंचेगी। इस साल मुंबई पुलिस ने कुल 8 बड़ी कार्रवाइयां की है जिसमें 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जिसका मार्केट वैल्यू 44 करोड़ है।

पायलट का भाजपा पर हमला गहलोत...

पायलट ने बघेल की गहलोत के खिलाफ और उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ की मंडेलिया के खिलाफ दिए बयान पर बीजेपी नेताओं से माफी मांगने को कहा है। सचिन पायलट ने कहा- केंद्रीय राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल ने कांग्रेस नेताओं के खिलाफ जो बयानबाजी की है, वह अमर्यादित है। विधानसभा में उप नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कांग्रेस नेता रफीक मंडेलिया के लिए जिन शब्दों का इस्तेमाल किया गया है, वह अशोभनीय है। राजनीति में वैचारिक विरोध स्वीकार्य होता है, लेकिन इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल करने से न केवल खुद की साख को ठेस पहुंचती है बल्कि जनता में भी नकारात्मक संदेश जाता है। पायलट ने कहा- भाजपा के नेता उपचुनाव में हार के डर के कारण इस तरह की स्तरहीन भाषा का प्रयोग कर रहे हैं, जिसका स्वच्छ राजनीति में कोई स्थान नहीं है। जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग इस तरह की अशोभनीय शब्दावली का इस्तेमाल करके जनता को क्या संदेश देना चाहते हैं? भाजपा के इन दोनों नेताओं को अपने स्तरहीन शब्दों के प्रयोग के लिए जनता से माफी मांगनी चाहिए।

स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में रोटरी का योगदान अहम : डॉ. भारती पवार

मुंबई केंद्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री डॉ. भारती पवार ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत सेवाभावी संगठन रोटरी के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में किए कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा है कि कोरोनारोधी अभियान के तहत देश भर में हम अभी तक 100 करोड़ लोगों को वैक्सिन लगा चुके हैं, जिनमें से 30 लाख वैक्सिनेशन का श्रेय अकेले रोटरी को है और उसके अहम सहयोग से ही यह हमारे लिए संभव हो सका। डॉ. पवार रोटरी डिस्ट्रिक्ट क्रमांक 3141 व्दारा पांच सितारा होटल सहारा स्टार में आयोजित रोटरी हीरोज अवाड्र्स वितरण समारोह में बोल रही थीं। इस अवसर पर कोरोनाकाल के दौरान संक्रमितों के उपचार से लेकर मुंबई से पलायन कर रहे प्रवासी मजदूरों सहित गरीब, बेसहारा, जरूरतमंदों के लिए राहत-बचाव का इंतजाम करने तथा उन्हें खाद्य सामग्री, दवा, अन्य जीवनावश्यक वस्तुए मुहैया कराकर मदद करने वाले कई रोटेरियंस को समारोह की मुख्य अतिथि डॉ. भारती पवार के हाथों रोटरी हीरोज अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में रोटरी के नेशनल कोविड प्रोग्राम के चेयरमैन अशोक महाजन और वॉकहार्ड अस्पताल के चेयरमैन हबीब खोराकीवाला भी बतौर विशेष अतिथि उपस्थित थे। रोटरी डिस्ट्रिक्ट क्रमांक 3141 के गवर्नर डॉ. राजेंद्र अग्रवाल के कार्यों की सराहना करते हुए डॉ. भारती पवार ने इस दरमियान कहा कि उनके नेतृत्व में संगठन की इस यूनिट ने स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में अतुलनीय कार्य किए हैं। उनके जरिए अब तक 3000 चाइल्ड्स हार्ट सर्जरी कराई जा चुकी है। कैंसरपीड़ितों के इलाज और कॉक्यूलर इम्प्लांट में भी बेहतरीन कार्य किया है। साथ ही, डायबिटीज चेकअप कैंप का आयोजन कर एक दिन में 1 मिलियन लोगों को लाभान्वित करने का अनूठा श्रेय भी रोटरी इंडिया के नाम है। डॉ. राजेंद्र अग्रवाल की इन सारी उपलब्धियों को बेहद गौरवपूर्ण बताते हुए उन्होंने इन्हें समाज के अन्य समर्थ-प्रतिष्ठित व्यक्तियों व संगठनों के लिए प्रेरक बताया।

बाली पुलिस का गजब कारनामा निर्दोष पत्रकार को झूठे आर्म एक्ट के केस में फंसाकर कर दिया चालान

मुंबई हलचल/भैरु सिंह राठौड़ भीलवाड़ा (राजस्थान)। कोट बालियान (बाली) के बहुचर्चित पत्रकार कालूराम गर्ग, व अरुणा ओझा (मोब लिंचिंग) प्रकरण में बाली की पुलिस ने शत प्रतिशत निर्दोष पत्रकार के खिलाफ दर्ज किए झूठे आर्म एक्ट के मामले में जुर्म प्रमाणित कर दिया चालान, तथा पत्रकार व अरुणा ओझा द्वारा दर्ज करवाया गया मामला अभी तक अधर झूल में चल रहा है! इस चालान ने पाली पुलिस में लगे कालूराम रावत एसपी पाली, बृजेश सोनी आरपीएस एडिशनल एसपी वृत बाली, हिमांशु जांगिड़ आरपीएस डीवाईएसपी बाली, बलभद्र सिंह चारण सीआई, (तत्कालीन थानाधिकारी बाली) हरजीत कौर हेड कांस्टेबल 1068 (तत्कालीन), दलपत सिंह चारण हेड कांस्टेबल पुलिस थाना बाली की पोल खुल गई है। पत्रकार कालूराम गर्ग ने अपनी आपबीती व बाली पुलिस के पक्षपात पुर्ण रवैये का खुलेआम बखान करते हुए मुंबई हलचल को बताया कि सबसे पहले क्रीमी लेयर कॉन्फिडेंस ई के दर्द वाली पुलिस का आरोपी सरपंच पुत्र के फार्म हाउस पर तारीख 29 मार्च 21 को एक पार्टी करना फिर अरुण आहूजा के निजी निवास मंदिर पर कब्जा कराने की डील करना पर डील के तहत अगले दिन सुबह तारीख 30 मार्च 21 को सुबह-सुबह ही एक अनभिज्ञ निर्दोष विधवा ब्राह्मण महिला की 1962 से आज तक कब्जा शुदा संपत्ति पर कब्जा करवाने के लिए बाली की पुलिस सरपंच पुत्र वह दूसरे समुदाय के लोगों की मिलीभगत के तहत ही सैकड़ों आदमी औरतों ने पूर्व नियोजित साजिश के तहत विधवा ब्राह्मणी पर एक राय होकर मोब लिंचिंग भीड़ से हमला करवा देना उसके साथ जबरदस्त मारपीट करवाना कोट बालियान में हुए इस जघन्य अपराध मोब लिंचिंग में हुए कोयले की आवाज सुनकर पड़ोस में रहने वाले पत्रकार कालूराम गर्ग व उनकी पुत्री का गरीब विधवा महिला अरुण आहूजा के घर मदद व लाइव लाइव कवरेज के लिए जाना फिर उसी से पढ़ो आदमी की भीड़ द्वारा जबरदस्त मारपीट गाली-गलौज व अन्य कई अपराधिक अभी तक करना अपने पिता को को बचाने के लिए भीड़ में पुत्री का जाना फिर पुत्री पर भी उसी भीड़ द्वारा जबरदस्त मारपीट कर कपड़े पढ़ना और भी कई अपराधिक अमित राज करना उसके बाद अरुण आहूजा व उनके दो पुत्रों के साथ पीड़ित पत्रकार व उनकी पुत्री का बाली थाने जाना पत्रकार द्वारा बाली थाने में लगी भ्रष्ट हेड कांस्टेबल हरजीत कौर 1068 को संपूर्ण जानकारी लिखित रूप में देना तथा हेड कांस्टेबल हरजीत कौर द्वारा पत्रकार की रिपोर्ट दर्ज न कर उल्टा पत्रकार को धमकाना वहीं दूसरी ओर सुबह 10:00 और 11:00 के बीच में उसी सैकड़ों आदमी औरतों की भीड़ द्वारा पत्रकार के घर पर धावा बोलना, पत्रकार के घर में घुसकर उसकी बीमार पत्नी को जबरदस्त मारपीट करना, अपनी सास को बचाने आई पुत्रवधू के साथ भी मारपीट करना, कपड़े फाड़ना, तथा अन्य कई अपराधिक अभद्रता करना, पत्रकार के घर में माताजी के मंदिर में रखी पुरानी जंग लगी तलवार व पाठ स्थान पर रखे हुए कुछ पैसे उठाना, पत्रकार की पत्नी को मारपीट करते हुए खींचकर अरुणा ओझा के घर ले जाना, वहां मारपीट कर उसके हाथ में तलवार पकड़ा कर वीडियो बनाना, तथा तलवार का सरपंच पुत्र खेमे द्वारा पुलिस को सुपुर्द करवाना, उसी दिन सुबह 30 मार्च को ही सवेरे 9:30 से लगातार अवैध रूप से बाली थाने में पत्रकार को बंधक बनाकर विधि विरुद्ध तरीके से जबरन बिठाए रखना, फिर शाम को 6:00 बजे के लगभग एक झूठी कहानी बना कर, जो तलवार पत्रकार की पत्नी के हाथ में जबरदस्ती देकर वीडियो बनाया था, यह मामला पत्नी पर नहीं कर के पत्रकार पर ही ठोक दिया, जबकि पत्रकार बाली थाना में सवेरे 9:30 बजे से लगातार थाने में ही था! बाली थाने में सवेरे 9:30 से लगाकर अवैध रूप से पत्रकार को बंधक बनाकर विधि विरुद्ध तरीके से बिठाए रखने के बाद शाम 6:00 बजे के लगभग एक झूठी मनगढ़ंत कहानी बनाकर बाली थाने में लगी हेड कांस्टेबल हरजीत कौर ने पत्रकार कालूराम पर आर्म एक्ट में गिरफ्तारी दिखा कर सलाखों के पीछे पटक देना, तथा पत्रकार की पत्नी, अरुणा ओझा व उसके दोनों पुत्रों को शांति भंग के मामले में गिरफ्तार कर सलाखों में पटक देना, दिनांक 1 अप्रैल 21 को पत्रकार द्वारा 4 एफ आई आर दर्ज करवाना तथा अरुणा ओझा द्वारा भी एक एफ आई आर दर्ज करवाना, पत्रकार के चार एफ आई आर में से सिर्फ एक ही मामला दर्ज करना, 3 महीने बीत जाने के बाद भी डीवाईएसपी द्वारा ना तो किसी को गिरफ्तार करना और ना ही कोई कार्यवाही करना, तब पाली एसपी कालूराम रावत को जांच बदलवाने के लिखित रिपोर्ट पेश की, मगर एक महीना और बीत जाने के बाद भी एसपी कालूराम रावत द्वारा जांच चेंज नहीं करने पर डीजीपी साहब को लिखित परिवाद दिया, तब जाकर जांच बदली गई तथा महिला सेल में लगे ओम प्रकाश को जांच सौंपी गई, मगर 3 महीने और बीत जाने के बाद भी आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। पत्रकार द्वारा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग दिल्ली में इन सभी के खिलाफ मुकदमा रजिस्टर्ड करवाया गया है।

रामानु ग्रह धाम आश्रम में विशाल भंडारे का आयोजन किया

श्री रामानु ग्रह धाम आश्रम अशोक विहार बैकुंठ पुर कानपुर के पीठाधीश्वर परम पूज्य महामंलेश्वर स्वामी विनय स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज के संरक्षण एवं संयोजन में अष्टम दिवसीय स्थापना दिवस महोत्सव में श्री भागवत कथा ज्ञान कथा की समाप्ति पर हवन यज्ञ और महाप्रसाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया! उत्त पावन पर्व पर कथा व्यास अप्रमेय प्रपन्नाचार्य, महामंडलेश्वर केशवानंद जी महाराज, महामंडलेश्वर गीतानंद जी महाराज, स्वामी उदितानंद महाराज ब्रह्मचारी जी, स्वामी जनार्दन व्यास, बालयोगी अरुण चैतन्यपुरी, स्वामी कृष्णदास जी महाराज, सहित विशिष्ट संत समाज ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

सुमन अग्रवाल का सामाजिक कार्य प्रशंसनीय - नाना पटोले

मुंबई 'प्रसिद्ध समाजसेविका एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की सदस्या श्रीमती सुमन अग्रवाल का परोपकारी कार्यों में योगदान काफी प्रशंसनीय है और ऐसे ही कार्यों के जरिए हमेशा समाज का उत्थान हुआ करता है ', यह कहना है महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं विधायक नाना पटोले के। वे इंटरनेशनल मारवाड़ी फेडरेशन व्दारा निरमन पॉइंट परिसर में नवनिर्मित भव्य प्याऊ के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। संस्था की अध्यक्षा सुमन आर अग्रवाल की माताजी श्रीमती गीतादेवी बंसीधर अग्रवाल की दूसरी पुण्यतिथि पर उनके स्मरणार्थ बनवाई गई इस सुंदर प्याऊ का उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि नाना पटोले के करकमलों व्दारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ व गणेशजी की मूर्ति प्रदान कर तथा राजस्थानी साफा पहनाकर का स्वागत किया। समारोह के आरंभ में सुमन अग्रवाल ने प्रस्तावना रखते हुए संस्था की विविध गतिविधियों की जानकारी दी और यह भी बताया कि निरमन पॉइंट परिसर में बेस्ट के बस स्टॉप सहित काफी कार्यालय हैं, जहां आने-जाने वाले आम नागरिक, टैक्सी ड्राइवर,सिक्युरिटी गार्ड व अन्य लोगों को निशुल्क शीतल पेयजल उपलब्ध हो सकने के उद्देश्य से प्याऊ की यह सुविधा शुरू की गयी है। समारोह में सुप्रसिद्ध चार्टर्ड एकाउंटेंट सुनील पाटोदिया, भवन निमार्ता किशोर खाबिया, हिंदुस्तान चेंबर ऑफ कॉमर्स के संरक्षक सदस्य डॉ. उत्तम जैन, रोटरी के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ राजेंद्र अग्रवाल, एनएसयूआई के महाराष्ट्र प्रदेश महासचिव संदीप पांडे, विनर बिंद्रा, अजय अग्रवाल, भिवंडी बिल्डर एसोसिएशन के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश कुमावत, रामप्रकाश अग्रवाल, आकाश अग्रवाल, एमपीआईएल के केलाश गोयल ,महेश अग्रवाल ,विनीता पटोदिया, बबिता मित्तल, दीपक गुप्ता, वीरेंद्र मित्तल, सीमा पारीक, संतोष आडुकिया ,उषा पित्ती,रंजना गुप्ता, किशन बिश्नोई समेत कई मान्यवर उपस्थित थे। समारोह को सफल बनाने में सरकार ग्रुप के पवन गुप्ता का विशेष योगदान रहा।

ईद मिलादुन नबी के अवसर पर भारतीय विश्वकर्मा जनहित सेवा समिती की तरफ से गरीबो को बिस्किट्स व पानी वितरण किया

दै. मुंबई हलचल समाचार पत्र, भारतीय विश्वकर्मा जनहित सेवा समिती एन. जी. ओ. चैरिटेबल ट्रस्ट व मानव कल्याण संस्थान की तरफ से कुछ गरीबो को बिस्किट्स व पानी की बोतल जनाब दिलशाद खान और श्रीमती उज्वला विश्वकर्मा मैम के आदेश अनुसार महाराष्ट्र के आसिफ कुरैशी, कव्यूम शैख, कमलेश दुबे, चंदा मिश्रा अर्पण विश्वकर्मा युथ शारुख सहायक, सुम्मे १ शिंग, विवेक शर्मा जी ने और मुंबई हलचल के सभी टीम मिलके ईद ऐ मिलाद उन नबी के मौके पे सारे कार्य अच्छे से हुए।

मुफ्त वैक्सीन के तहत एम.आई. डी. सी. में वैक्सीन लगवाने वालों का तांता लगा

बोईसर(प्रतिनिधि)। कोरोना महामारी से बचने के लिए सरकार द्वारा मुफ्त वैक्सीन लगाने की जगह जगह व्यवस्था की जा रही है। इसी के तहत तारापुर उद्योग क्षेत्र के प्लॉट न.एन-201 में डी. पी.कंस्ट्रक्शन के देवी सिंह, अल्फा डाय केम प्रा.लि. के डायरेक्टर रमेश बाफना, यूनीसिंथ केमिकल्स प्रा.लि. के नरेंद्र के. पी., समाजसेवी ओमप्रकाश शुक्ला, संदीप घोड़े, शैलेश यादव, गिरिजेश यादव, राजेश यादव सुजीत यादव, विजय पाटिल के अथक प्रयास एवं सहयोग से सबको वैक्सीन, मुफ्त वैक्सीन के अंतर्गत दि.20 अक्टूबर को वैक्सीन शिविर का आयोजन किया गया।यह आयोजन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मुरबे की वैद्यकीय अधिकारी डॉ. माया नाईक के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य कर्मचारी गीता पाटिल, प्रीतम पिम्पले, अदिती पाटिल तथा परीक्षित पाटिल आदि की टीम द्वारा विधिवत वैक्सीन देकर किया गया। इस दौरान करीब पांच सौ लोगों ने वैक्सीन लगवाई। ज्ञात हो कि इसके पहले 13 अक्टूबर को भी इसी तरह सहयोग देकर मुफ्त वैक्सीन लगवाने की व्यवस्था की इन आयोजकों द्वारा की थी जिसका लाभ करीब साढ़े तीन सौ लोगों उठाया था। वैक्सीन लेने वालों को आयोजकों द्वारा चाय, नास्ता आदि का इंतजाम करके सहयोग किया गया।

जयपुर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी

21 दिन में 16 बार बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम, पेट्रोल 36 पैसे और डीजल 38 पैसे महंगा, आज पेट्रोल के दाम 113.74 रुपए प्रति लीटर, डीजल के दाम 104.96 रुपए प्रति लीटर।

हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी से चौतीस सम्पर्क मार्ग कटे और तीन राष्ट्रीय राजमार्ग हुए बन्द जनजातीय भागों में बढ़ी शीत लहर

संवाददाता/अरमान उलहक

शिमला। भारत के हिमाचल प्रदेश में दो दिन से भारी बारिश और-बर्फबारी के बाद बुधवार सुबह से मौसम खुल गया है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने तेईस अक्तूबर तक कुछ भागों को छोड़कर अन्य भागों में मौसम साफ रहने का पूवार्नुमान जताया है। मनाली-लेह, काजा-ग्रांफू, किन्नौर में एनएच पांच और चौतीस संपर्क मार्ग अभी भी बाधित चल रहे हैं। उधर, जनजातीय जिला किन्नौर में दो दिन की बर्फबारी से सेब और अन्य नकदी फसलों को करोड़ों की क्षति हुई है। सेब की फसल झड़ गई है। साथ ही कई पेड़ जड़ से उखड़ गए हैं जबकि अधिकतर की टहनियां टूट गई हैं। बर्फबारी से रक्षम, खरोगला, बटसेरी, थेमगारंग, पानपो, सांगला, कामरू, ठंगी, कानम, लाबरंग, नेसंग, पूह रिजिंग कंडा, रोपावैली, ज्ञावुंग, हांगो और चुलिंग सहित अधिकांश ऊंचे क्षेत्रों में सेब सहित नकदी फसलों को करोड़ों का नुकसान हुआ है। ये भी पढ़ें: रिज मैदान शिमला में लगी पट्टिकाएं दे रहीं गांधी की शिमला यात्राओं की गलत सूचनाएं बर्फबारी के चलते सेब तुड़ान का कार्य भी प्रभावित हुआ है। अभी तक जिले से 16 लाख 49 हजार सेब की पेटियां ही देश की विभिन्न मंडियों में पहुंच पाई है। जिले से अभी भी करीब 10 लाख पेटियां सेब मंडियों में भेजा जाना है। मौसम साफ रहने से किसानों को धान की कटाई करने का मौका मिल पाएगा। 22 और 23 अक्तूबर को मैदानी, मध्य व उच्च पर्वतीय कुछ भागों में बारिश की संभावना है। वहीं, चीन से सटे समदो में तैनात भारतीय सेना ने भारी बर्फबारी और बारिश के कारण फंसे 205 लोगों को अपने कैंप में रेस्क्यू किया। वह सभी लोग पूह से काजा मार्ग पर सोमवार शाम को फंसे हुए थे। सेना ने लोगों को खाने और मेडिकल कैंप की सुविधा दी है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बकाया राशि बिजली बिल नहीं भरा तो दीपावली पर होगा अंधेरा !

महावितरण ने बकाया बिजली भुगतान के खिलाफ शुरू किया अभियान

बुलडाणा। पिछले कुछ महीनों में बिजली बिल बकाया तेजी से बढ़ा है। महावितरण ने बकाया वसूलने के लिए बिजली आपूर्ति बंद करने की चेतावनी दी है।अगले कुछ दिनों में बकाया का भुगतान नहीं किया गया तो ऐन दिवाली के समय घर मे अंधेरा होने की संभावना जताई जा रही। बुलडाना जिले के उपभोक्ताओं को भी बिजली के अधिक बिलों का सामना करना पड़ रहा है। जैसा कि पूरे राज्य में है, महावितरण ने अतिदेय बिजली बिलों की वसूली के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया है। जिले में 6,25,528 ग्राहकों पर 2,110 करोड़ रुपये बकाया है।एक तस्वीर है कि बकाया भुगतान के कारण महावितरण को खर्चों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ रही है।

बकाया भुगतान की अपीलः- पिछले दो वर्षों में महावितरण के ग्राहको पर बड़ी मात्रा में बकाया बाकी है।बकाया बढ़ने से MSEDCL वित्तीय संकट में है। बुलडाणा जिले पर करीब 2,110 करोड़ रुपये का बकाया है। महाविरण अपने उपभोक्ताओं से बकाया राशि का भुगतान करने की अपील की है।

अमरपाटन थाने में पुलिस ने खाकी को किया फिर 'शर्मशार'

पुलिसकर्मी दिनेश पनिका ने वकील ध्रुव मिश्रा से किया दुर्व्यवहार... घटना को लेकर वकीलों में जबरदस्त आक्रोश

मुंबई हलचल ब्यूरो/ भैरु सिंह राठौड़
भीलवाड़ा (राजस्थान)। अमरपाटन थाने के रहने वाले वकील ध्रुव कुमार मिश्रा एनरोलमेंट नंबर टढ/ 1334/16 ने अपने मुवक्किल फरियादी शिवम उरमलिया रिपोर्ट लिखवाने सतना जिले के अमरपाटन थाने में गए, तो वहां विना वर्दी के बैठे हुए पुलिसकर्मी दिनेश पनिका ने शिकायत पत्र लेने से मना कर दिया! वकील ध्रुव मिश्रा ने मुंबई हलचल को बताया कि जब मेरे मुआक्किल शिवम ने मुझे फोन किया तो मैं थाने पर गया, और दिनेश पनिका से पूछा कि शिकायत आप क्यों नहीं ले रहे हैं यह सुनते ही बोला अपना कानून अदालत में चलाना यह थाना है यहां मेरा कानून चलता है तो मै बोला कि मैं एक अधिवक्ता हूँ ये देख लो मेरा परिचय पत्र, तो उसने मेरे हाथ से कार्ड छीन लिया और नीचे पैर के पास फेंक के मां बहन की गंदी गंदी गालियां देते हुए दूसरे पुलिसकर्मियों की सहायता से कमरे से बाहर कर दिया। दिनेश पनिका उसके बाद से मुझे झूठे केस में फंसाने की धमकी दे रहा है! इसकी वकील ध्रुव मिश्रा ने मुख्यमंत्री शिकायत पोर्टल पर भी शिकायत की हैं! मगर संबंधित पुलिसकर्मी द्वारा कहा जा रहा है कि अगर मैने शिकायत वापस सी.एम. हेल्पलाइन से न ली तो झूठे केस में फंसा देगा और लगातार दवाब

बनाया जा रहा है कि शिकायत वापस लूँ। अगर पुलिसकर्मी का संबंधित वकील ध्रुव कुमार मिश्रा पर लगाए गए आरोप सही साबित होते हैं तो भारतीय दंड संहिता की धारा 323, 341 व 506 के तहत अपराध बनता है! सबसे बड़ी ताजुब की बात तो यह है कि कोई भी पुलिसकर्मी सादी वर्दी में आखिर ड्यूटी पर तैनात कैसे रह सकते हैं? जब उक्त पुलिसकर्मी दिनेश पनिका वकील मिश्रा को विगत चार साल से जानता है तो दूसरे वकीलों की पूछताछ में मुकर कैसे गया? जबकि वकील ध्रुव कुमार मिश्रा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि वह करीब चार सालों से इस पुलिस कर्मी को बखूबी जानते हैं! तो क्या खाकी वर्दी के आला अधिकारी आरोपित पुलिसकर्मी के खिलाफ कोई लीगल एक्शन लेंगे या फिर मामा के राज में निरपराध वकील ऐसे ही प्रताड़ित होते रहेंगें! वकील ध्रुव कुमार मिश्रा का गुनाह महज इतना ही तो था कि पुलिसकर्मी दिनेश पनिका द्वारा उसके मुवक्किल शिवम उरमलिया की रिपोर्ट नहीं लिखवाने का तकाजा कर रहे थे, तो क्या पुलिस थाने में एक बिना वर्दी के पुलिसकर्मी की इतनी मजाल कि वह एक सम्मानित वकील के साथ इतनी बेहया और बेशर्मी से पेश आएगे कि उनके साथ गाली गलौच करते हुए इंसानियत की सारी हदें पार कर देंगे? तो आमजनता के साथ खाकी का रवैया कैसा रहता होगा इस बात का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता हैं! अगर सीएम हैल्पलाईन पर वकील ध्रुव कुमार मिश्रा द्वारा पुलिसकर्मी दिनेश पनिका द्वारा उसके साथ किए गए दुर्व्यवहार की शिकायत गलत है तो फिर वो पुलिसकर्मी दिनेश पनिका इतना डर क्यों रहें हैं? जांच होने दिजिए दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा पर लगता है शायद चोर की दाढ़ी में कहीं ना कहीं तिनका जरूर हैं, जो पुलिसकर्मी दिनेश पनिका को परेशान किया जा रहा है, बहरहाल ये जांच का विषय हैं और निष्पक्ष जाँच तो होनी ही चाहिए!

आरटीआई से खुलासे के बाद तोमर ने मानव अधिकार आयोग व जिला जज से की शिकायतें

मुंबई हलचल ब्यूरो/ भैरु सिंह राठौड़
भीलवाड़ा (राजस्थान)। सवाई माधोपुर जिले की उपकारागार (पूर्व जिला जेल) में हो रही अनियमितत्ताओ व बंदियो के मौलिक व सामवैधानिक आधिकारो के हो रहे उलंघनो का पिछले दिनो आरटीआई से खुलासा करने वाले हिंदुस्तान शिवसेना के राष्ट्रीय प्रमुख व दिल्ली हाई कोर्ट के एडवोकेट राजेन्द्रसिंह तोमर राजा भईया ने मुंबई हलचल को बताया कि इस बाबत राजस्थान मनवाधिकार आयोग के अध्यक्ष, जिला जज, जिला कलेक्टर सवाई माधोपुर व जेल महानिदेशक को शिकायत पत्र भेज कर इस जेल में हो रही गड़बड़ियों को जनहित व न्याय हित में जल्द से दूर कराने व दोषियों के विरूद्ध कानूनी कर्यवाही करने की माँग की हैं! आज उन्होंने इस बाबत भेजे गये शिकायत पत्र की प्रतियाँ पत्रकारों को दिखाते हुए इस बात का खुलासा किया है शिकायत पत्र के साथ उन्होंने जेल से प्राप्त आरटीआई सूचनाओं की प्रति भी संलगन की है ओर उसी को आधार बनाया है ज्ञात हो की पिछले दिनो राजा भैया ने आरटीआई से बड़े खुलासे इस जेल में हो रही अनियमित्ताओ के बारे में किए थे जिनमे मुख्यतह इस जेल में बंदियो के लिए कैंटीन ,एसटीड़ी, डिस्पेंसरी, एमब्यूलैंस,सरकारी सफाई कर्मचारी, बंदी बैलफेयर कमेटी ना होना महिला बंदी बैरक होने के बबजूद

महिला बंदियो को रखने की व्यबस्था का ना होना ,पर्याप्त सुरक्षाकर्मियों का ना होना आदी थे राजा भैया द्वारा की गईं इस शिकायत से जेल प्रशासन में पुरी तरह से हड़कम्प मचा हुआ है अब देखना यह है कि जिन अधिकारियों को शिकायतें की गईं हैं वो इन पर कितनी कर्यवाही करते है पर एक बात तो तय है की राजा भैया द्वारा की गईं इस शिकायत से जेल में बंद बंदियो को अवश्य लाभ मिलेगा!

महान समाज सुधारक राष्ट्र प्रेमी सर सैयद अहमद खान और डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम को नमन किया

बुलडाणा। राजे छत्रपति महाविद्यालय धमनगांव बढ़े बुलडाणा मे महान समाज सुधारक राष्ट्र प्रेमी सर सैयद अहमद खान और डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम के जन्म दिन पर कार्यक्रम के अध्यक्ष प्राचार्य नितिन सर प्रमुख अतिथि के रुप में संजय दसरकर सर मोरे सर मौजूद थे। दोनों समाज सुधारकों को फुल्हार अर्पण किया गया।स्वप्निल दांडगे और उर्दू विभाग के प्रमुख डॉ!शारदा मुनाफ ने सर सैयद अहमद खान और डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम के जीवन और कार्य पर रोशनी डाली। साथ ही डॉ .गोविंद गायकी सर ने वाचन का महत्व बताएं। कार्यक्रम में डॉ गरुड़ ,डॉ. वानखेडे डॉ.मामर्डे मैम ,मा.संजय सर ,मालठाने,प्रो. सिरसाट सर ,लहासे सर ,रिठे सर ,संदीप तोटे, ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए इस्तेमाल करे रात के बचे चावल

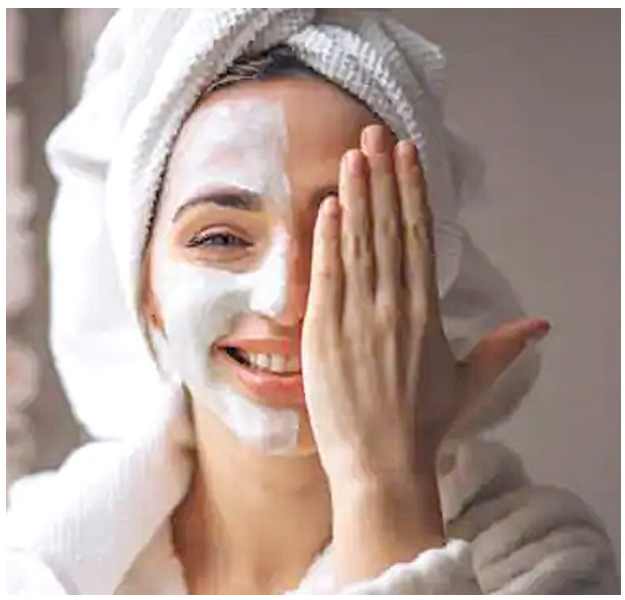

इस तरह बनाएं फेस पैक

अक्सर खाना ज्यादा बन जाता है, जिसे अगले दिन या तो लोग रीयूज कर लेते हैं या फिर फेंक देते हैं। लेकिन अगर अब रात में चावल बच जाए तो उसे फेंके नहीं, क्योंकि इसे आप अपने स्किन रूटीन में शामिल कर सकते हैं।

कोरियन महिलाओं की स्किन हमेशा दमकती रहती है और ऐसी स्किन की चाहत हर कोई रखता है। ऐसे में महिलाएं तरह-तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट का इस्तेमाल करती हैं, लेकिन फिर भी वो ग्लो नहीं मिलता। कोरियन महिलाओं जैसा ग्लो पाने के लिए चावल का इस्तेमाल करें। ये महिलाएं स्किन को निखारने के लिए चावल के पानी का इस्तेमाल करती हैं। ग्लोइंग स्किन के लिए आप भी रात के बचे हुए चावल का इस्तेमाल कर सकते हैं। जानिए कैसे बनाएं बासी चावल का फेस पैक...

ऐसे बनाएं

रात के बचे चावल को मिक्सी में पीस कर पेस्ट बना लें। फिर एक कटोरी में निकालों और फिर इसमें शहद मिलाएं। अच्छे से मिक्स करें और थोड़ा सा दूध एड करें। इसे चेहरे पर लगाएं और सूखने के लिए छोड़ दें। जब ये अच्छे से सूख जाए तो अपने हाथों से स्क्रब करते हुए वॉश करें।

ड्राई स्किन

अगर आपकी ड्राई स्किन है तो आप चावल के पेस्ट में दालचीनी पाउडर और ग्लिसरीन को मिलाएं। ये स्किन को मॉइश्चराइज करेगा। ग्लिसरीन के इस्तेमाल से स्किन सॉफ्ट हो जाती है, साथ ही स्किन के दाग धब्बे भी दूर हो जाते हैं। ये चेहरे पर शाइन लाने में भी मदद करती है।

ऑयली स्किन

ऑयली स्किन वाले इस पैक में शहद, दही, गुलाब जल जैसी आइटम मिला सकते हैं। ये स्किन से एक्सट्रा ऑयल निकालने में मदद करेगा। गुलाब जल स्किन को हाईड्रेट करने के साथ चेहरे के निखार में मदद करता है। वहीं दही में लैक्टिक एसिड होता है जो स्किन के लिए अच्छा सबित हो सकता है।

अध्ययन में खुलासा

संक्रमण से बढ़ सकता है अलजाइमर और पार्किंसंस जैसे रोगों का खतरा

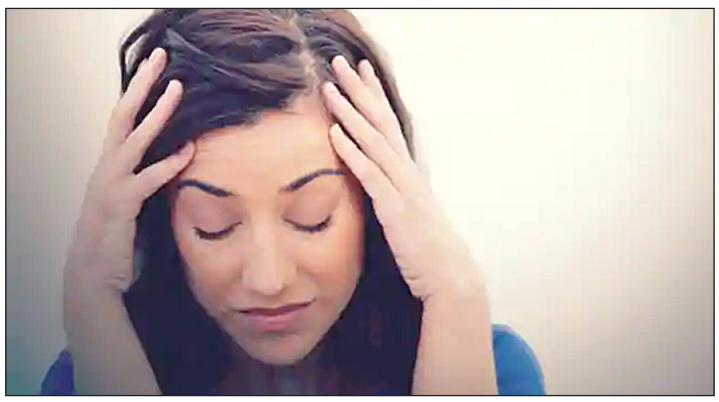

जर्मनी के बॉन विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में दावा किया गया है कि कुछ संक्रामक रोग संभवतः अल्जाइमर और पार्किंसंस जैसी तंत्रिका तंत्र संबंधी बीमारियों को बढ़ा सकते हैं। जर्नल 'नेचर कम्युनिकेशंस' में प्रकाशित शोध प्रयोगशाला प्रयोगों पर आधारित है। जिसमें दिखाया गया है कि कुछ संक्रामक अणु प्रोटीन समुच्चय के अंतरकोशिकीय प्रसार को सुगम बनाते हैं, जो मस्तिष्क रोगों की पहचान हैं।

शोधकर्ताओं की टीम ने पाया कि अनियमित श्रृंखला वाले प्रोटीन के समुच्चय तथाकथित प्रियन रोग में होते हैं। वे एक कोशिका से दूसरी कोशिका में जाने की क्षमता रखते हैं, जहां वे अपने असामान्य आकार को उसी तरह के प्रोटीन में स्थानांतरित करते हैं। इसके फलस्वरूप यह बीमारी पूरे मस्तिष्क में फैल जाती है।

कुछ इसी तरह की घटना अल्जाइमर और पार्किंसन रोग में होती है, जो शोधकर्ताओं के अनुसार अनियमित श्रृंखला वाले प्रोटीन के संयोजन को भी प्रदर्शित करता है। प्रियन प्रोटीन का वह प्रकार है जिसकी वजह से मस्तिष्क में सामान्य प्रोटीन श्रृंखला असामान्य प्रोटीन श्रृंखला में बदल जाती है। तंत्रिका संबंधी यह बीमारी मनुष्यों और पशुओं दोनों में पाई जाती है।

सुबह उठते ही होता है सिरदर्द?

जानें कारण और होममेड ट्रीटमेंट

क्या आपको सुबह उठते ही सिरदर्द या सिर भारी-भारी होता है? आपका जवाब अगर हां है, तो इसका कारण आपको पता होना बेहद जरूरी है। लीवर में किसी भी तरह की समस्या सबसे पहले मॉर्निंग डिजीनेस का संकेत देती है।

ये भी है कारण...

- एनीमिया या किसी दूसरी वजह से खून में ऑक्सीजन की कमी होती है और सुबह चक्कर आते हैं। इससे आपको उठने का मन नहीं करता और कमजोरी भी जल्दी हो जाती है।
- शुगर लेवल बढ़ने या घटने पर मॉर्निंग डिजीनेस की समस्या किसी को भी हो सकती है। वहीं, अगर आपने एक दिन पहले मीठा खाया है, तो इसे चांसेस बहुत ज्यादा है कि आपको अगले दिन बैचेनी हो।
- शरीर में पानी की कमी के कारण भी सोकर उठने पर चक्कर आना आम बात है। आप अगर पूरे दिन एक लीटर भी पानी नहीं पीते, तो आपको परेशानी हो सकती है।

ये उपाय करेंगे मदद

ये कारण जानने के बाद आप इन पर काम कर सकते हैं। जैसे, ज्यादा पानी पीना, चीनी कम खाना लेकिन इसके अलावा भी ऐसे तरीके हैं, जिनपर अमल करके सुबह की इस परेशानी से मुक्ति पा सकते हैं।

- नींबू पानी पीने से भी मॉर्निंग सिकनेस जैसी परेशानी नहीं रहती।
- नींबू पानी पीने के बाद अगर आप 5-7 मिनट्स की वॉक के लेंगे, तो भी आप अच्छा फील करेंगे।
- लेमन टी भी मॉर्निंग सिकनेस को दूर करने में कारगर है। इससे आपको रिफ्रेशिंग फील होगा।
- सुबह नहाने से भी मॉर्निंग डिजीनेस की समस्या दूर हो सकती है। इसके लिए आपको गुनगुने पानी का इस्तेमाल करना है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

HERITAGE BUILDERS & DEVELOPERS
CORDIALLY INVITES YOU ON LAUNCH OF OUR PROJECT
Mariyam Heritage

Mariyam Heritage
vasai (E)

AMENITIES

- WELL PLANNED 1 BHK & 2 BHK APARTMENTS
- LIFESTYLE AMENITIES DESIGNED FOR ALL AGE GROUP
- PROJECT APPROVED BY LEADING FINANCIAL INSTITUTIONS
- CONSTRUCTION WORK IN FULL SWING
- SAMPLE FLAT READY.

BOOK YOUR DREAM HOME WITH 1.76 LACS*
ONWARDS AND REST ON POSSESSION.

OFFER VALID FOR LIMITED FLATS*

CALL : 8291669848

SITE ADD: MARIYAM HERITAGE, NEXT TO SANIYA CITY, BEHIND SHALIMAR HOTEL, WALIV, VASAI ROAD (EAST).